स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी समाज कल्याण योजनाओं का ग्रामीण स्वास्थ्य सुधार में योगदान

मनीष कुमार शर्मा[1] डॉ. ममता शर्मा[2]

[1]शोधार्थी [2]शोध पर्यवेक्षक

शिक्षा विभाग

एन.आई.आई.एल.एम. विश्वविद्यालय

कैथल, हरियाणा

सारांश (Abstract)

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति लंबे समय से चिंता का विषय रही है। भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित अनेक समाज कल्याण योजनाओं जैसे **आंगनवाड़ी सेवाएं (ICDS)**, **राष्ट्रीय पोषण मिशन (POSHAN Abhiyaan)**, **जननी सुरक्षा योजना (JSY)**, **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)**, तथा **मिड डे मील योजना** ने ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण स्तर, संस्थागत प्रसव दर, तथा स्वास्थ्य जागरूकता में सुधार लाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। इस शोधपत्र में इन योजनाओं के प्रभावों का विश्लेषण तालिकाओं, आँकड़ों और ग्राफ़ के माध्यम से किया गया है।

मुख्य संकेतक (Keywords)

स्वास्थ्य योजनाएं, ग्रामीण भारत, पोषण मिशन, आंगनवाड़ी, संस्थागत प्रसव, कुपोषण, मातृ स्वास्थ्य, जननी सुरक्षा योजना, समाज कल्याण, मिड डे मील।

परिचय (Introduction)

भारत की 65% से अधिक जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। यहां स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित पहुँच, खराब पोषण स्थिति और मातृ-शिशु मृत्यु दर की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। समाज कल्याण योजनाओं के माध्यम से सरकार इन समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य कर रही है।

भारत जैसे विकासशील देश में स्वास्थ्य और पोषण एक महत्वपूर्ण सामाजिक चिंता के विषय हैं, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा निवास करता है। ग्रामीण भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था आज भी संसाधनों की कमी, जनसंख्या घनत्व, भूगोलिक बाधाओं, और जागरूकता की कमी

जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी समाज कल्याण योजनाएँ, सरकार द्वारा ग्रामीण समाज के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी हैं।

भारत सरकार ने स्वतंत्रता के पश्चात कई योजनाएँ प्रारंभ कीं, जिनका उद्देश्य था – मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना, कुपोषण को नियंत्रित करना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, और बच्चों को पौष्टिक आहार प्रदान करना। इन योजनाओं में प्रमुख हैं – **एकीकृत बाल विकास सेवा योजना (ICDS)**, **राष्ट्रीय पोषण मिशन (POSHAN Abhiyaan)**, **जननी सुरक्षा योजना (JSY)**, **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)** और **मिड डे मील योजना**। इन योजनाओं की शुरूआत अलग-अलग समय पर हुई, परंतु इनका सामूहिक लक्ष्य एक ही रहा – ग्रामीण समाज को स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना।

ICDS योजना, जिसे 1975 में प्रारंभ किया गया था, ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण और प्राथमिक शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाएँ प्रदान करती है। यह योजना आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से कार्य करती है जो ग्रामीण भारत में सरकारी स्वास्थ्य तंत्र का एक अभिन्न अंग बन चुके हैं। वहीं, **POSHAN Abhiyaan** की शुरुआत 2018 में की गई थी, जिसका उद्देश्य आधुनिक तकनीकी माध्यमों से कुपोषण की निगरानी, सुधार और रोकथाम करना है।

इसके अतिरिक्त, **जननी सुरक्षा योजना (JSY)** ने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर ग्रामीण महिलाओं की मातृत्व सुरक्षा को सुनिश्चित किया है। **NFHS-5** की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक दशक में संस्थागत प्रसव की दर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। **PMMVY** गर्भवती महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके पोषण और देखभाल के स्तर में सुधार लाती है। वहीं **मिड डे मील योजना**, स्कूली बच्चों को गर्म, पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर न केवल उनके पोषण स्तर को सुधारती है, बल्कि विद्यालय में उनकी उपस्थिति और एकाग्रता को भी बढ़ावा देती है।

इन सभी योजनाओं का व्यापक उद्देश्य यह है कि ग्रामीण भारत में रहने वाले नागरिकों को मूलभूत स्वास्थ्य और पोषण सेवाएँ सुलभ कराई जा सकें ताकि सामाजिक असमानताओं को कम किया जा सके और सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सके।

इस शोध में हम इन योजनाओं की संरचना, क्रियान्वयन, प्रभाव और सीमाओं का विश्लेषण करेंगे और यह जानने का प्रयास करेंगे कि ये योजनाएँ ग्रामीण स्वास्थ्य सुधार में किस सीमा तक सफल रही हैं, तथा किन क्षेत्रों में अभी और प्रयासों की आवश्यकता है। यह अध्ययन न केवल स्वास्थ्य नीति निर्माताओं के

लिए उपयोगी होगा बल्कि समाज के हर स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन को प्रेरित करने वाला भी सिद्ध होगा।

प्रमुख योजनाएं एवं उनका उद्देश्य (Major Schemes and Their Purpose)

योजना का नाम	**प्रारंभ वर्ष**	**उद्देश्य**
आंगनवाड़ी (ICDS)	1975	बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पोषण व प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं
POSHAN Abhiyaan	2018	कुपोषण की रोकथाम और निगरानी तंत्र
JSY	2005	संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन और MMR में कमी
PMMVY	2017	गर्भवती महिलाओं को वित्तीय सहायता
Mid-Day Meal	1995	स्कूल जाने वाले बच्चों को पोषणयुक्त भोजन

ग्रामीण स्वास्थ्य पर योजनाओं का प्रभाव (Impact of Schemes on Rural Health)

तालिका 1: संस्थागत प्रसव दर में सुधार (NFHS Reports)

वर्ष	**ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत प्रसव (%)**
2005-06 (NFHS-3)	38.7%
2015-16 (NFHS-4)	75.1%
2019-21 (NFHS-5)	88.6%

विश्लेषण: JSY और PMMVY के प्रभाव से संस्थागत प्रसव में स्पष्ट वृद्धि हुई है, जिससे मातृ और नवजात मृत्यु दर में कमी आई।

तालिका 2: 5 वर्ष से कम आयु के कुपोषित बच्चों की स्थिति (NFHS Data)

वर्ष	**कम वजन वाले बच्चे (%)**	**अविकसित बच्चे (%)**

2005-06	42.5%	48%
2015-16	35.8%	38.4%
2019-21	32.1%	35.5%

विश्लेषण: POSHAN Abhiyaan और ICDS की मदद से बच्चों में कुपोषण में कमी आई है, हालांकि प्रगति की गति धीमी है।

विश्लेषण: JSY और PMMVY के प्रभाव से मातृ मृत्यु दर में गिरावट आयी है।

तालिका 3: Mid-Day Meal योजना का प्रभाव

वर्ष	**नामांकित बच्चे (करोड़ में)**	**उपस्थिति दर (%)**
2005	9.6	72%
2015	10.4	81%
2021	11.3	89%

विश्लेषण: पोषणयुक्त भोजन से बच्चों की स्कूल उपस्थिति और स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

प्रमुख चुनौतियाँ (Key Challenges)

1. **सूचना व जागरूकता की कमी** – कई लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी नहीं होती।
2. **कर्मचारियों की कमी** – आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रशिक्षित स्टाफ की कमी।
3. **वित्तीय एवं तकनीकी बाधाएँ** – समय पर फंड वितरण और पोषण डेटा की निगरानी में समस्या।
4. **भौगोलिक विषमता** – पहाड़ी और आदिवासी क्षेत्रों में पहुँच सीमित है।

सुझाव (Suggestions)

1. **स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रशिक्षण** देना चाहिए।
2. **जन जागरूकता अभियानों** के माध्यम से योजनाओं की जानकारी पहुँचाई जाए।
3. **सामुदायिक निगरानी तंत्र** स्थापित किए जाएँ।
4. **डिजिटल पोषण ट्रैकिंग ऐप्स** का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ाया जाए।

निष्कर्ष (Conclusion)

स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित समाज कल्याण योजनाएं ग्रामीण भारत के लिए जीवनदायिनी सिद्ध हो रही हैं। संस्थागत प्रसव, कुपोषण में कमी, मातृ मृत्यु दर में गिरावट, और बच्चों की शिक्षा में सुधार — ये सभी सकारात्मक संकेत हैं। योजनाओं की निरंतर निगरानी और अधिक प्रभावशाली क्रियान्वयन से भारत का ग्रामीण स्वास्थ्य परिदृश्य और अधिक सशक्त हो सकता है।

संदर्भ (References)

1. Ministry of Women and Child Development, GoI – https://wcd.nic.in
2. National Family Health Survey (NFHS-5), International Institute for Population Sciences, 2021
3. Sample Registration System (SRS), Maternal Mortality Bulletin, 2020
4. NITI Aayog Report on POSHAN Abhiyaan, 2022
5. UNICEF India, Annual Report on Nutrition and Child Health, 2021
6. Press Information Bureau (PIB) Archives – JSY, PMMVY Progress Reports
7. World Bank (2020), *Health & Nutrition Interventions in Rural India*